
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
कक्षा-12
इतिहास
अध्याय-1 | भाग-11
ईंट मनके तथा अस्थियां
हड़प्पा सभ्यता-एकदम BASIC से!


mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?



1. अभिलेख
2. प्रिंसेप और पियदस्सी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राजा, किसान और नगर

→ प्राचीन काल



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हड़प्पा सभ्यता → उपमहाद्वीप

1500 साल

महाद्वीप - छोटा

देश - बड़ा





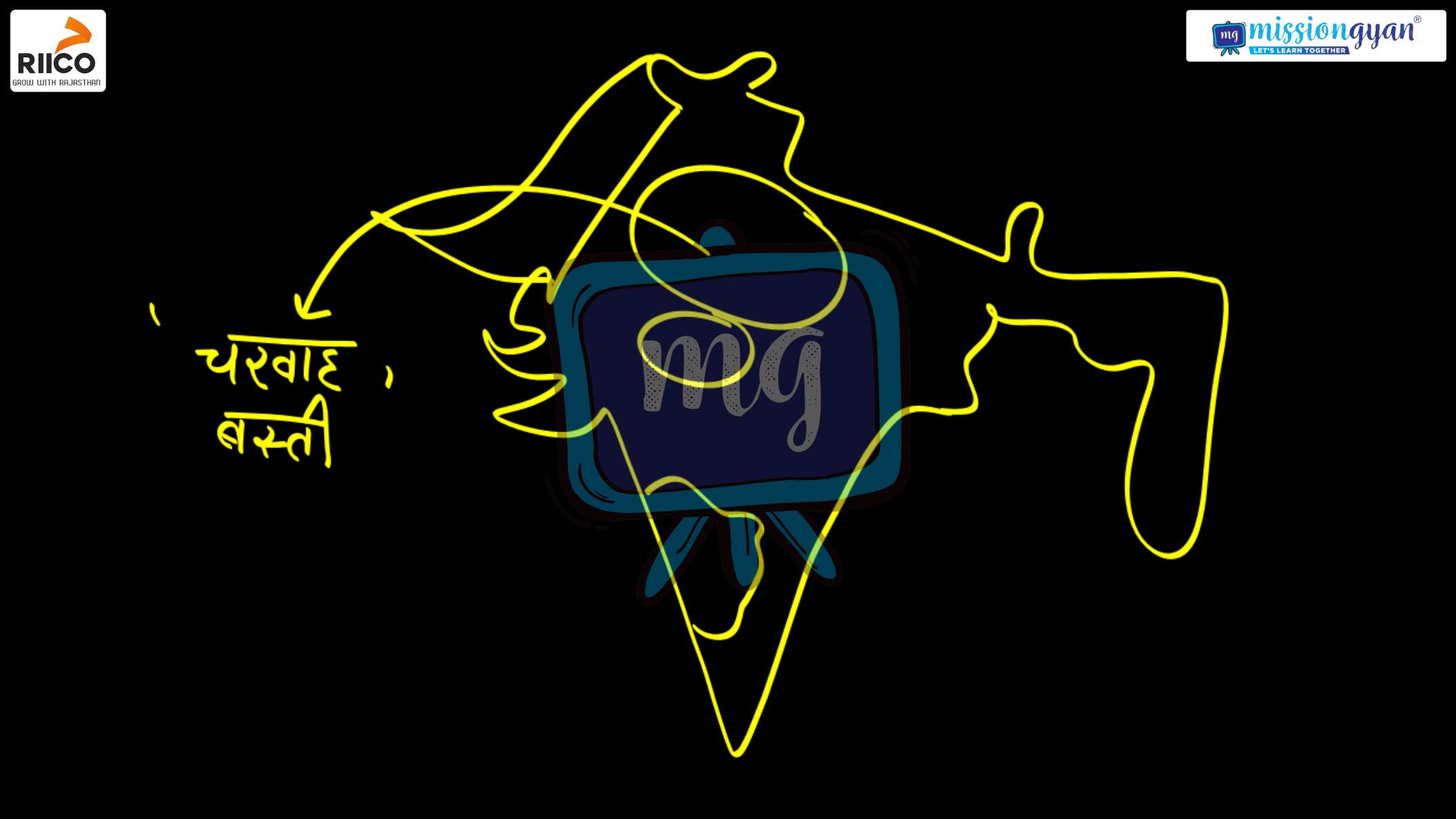
चरवाहा
बस्ती

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

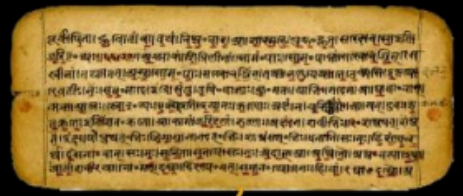



महापाषाण

↓

अंतिम संस्कार

"लोहे के"

हथियार/औजार





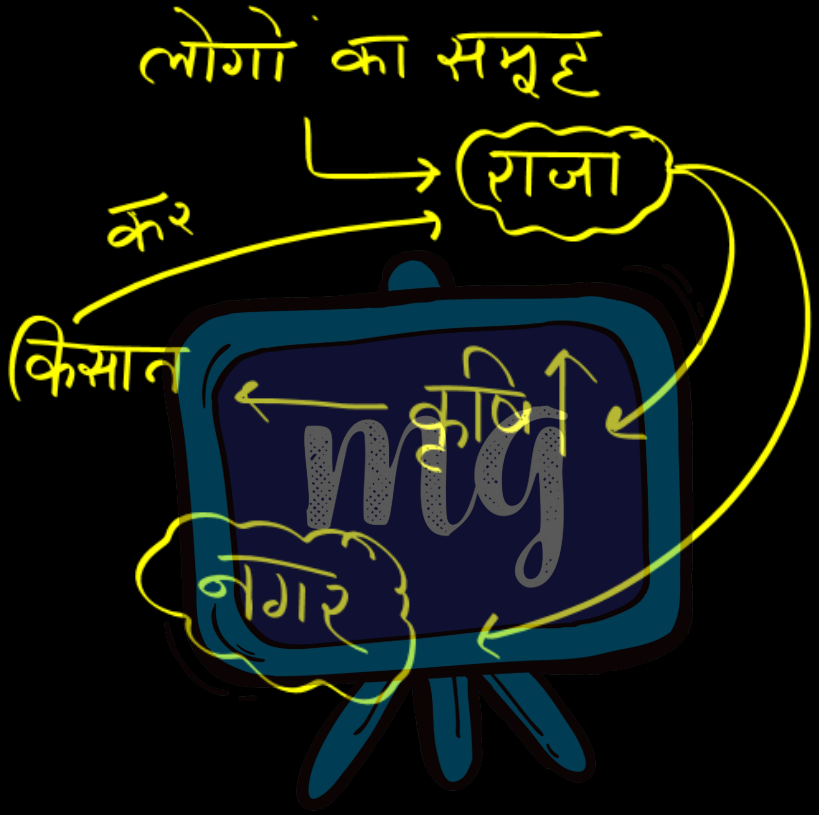
लोगों का समूह
राजा
कर
किसान
कृषि
नगर

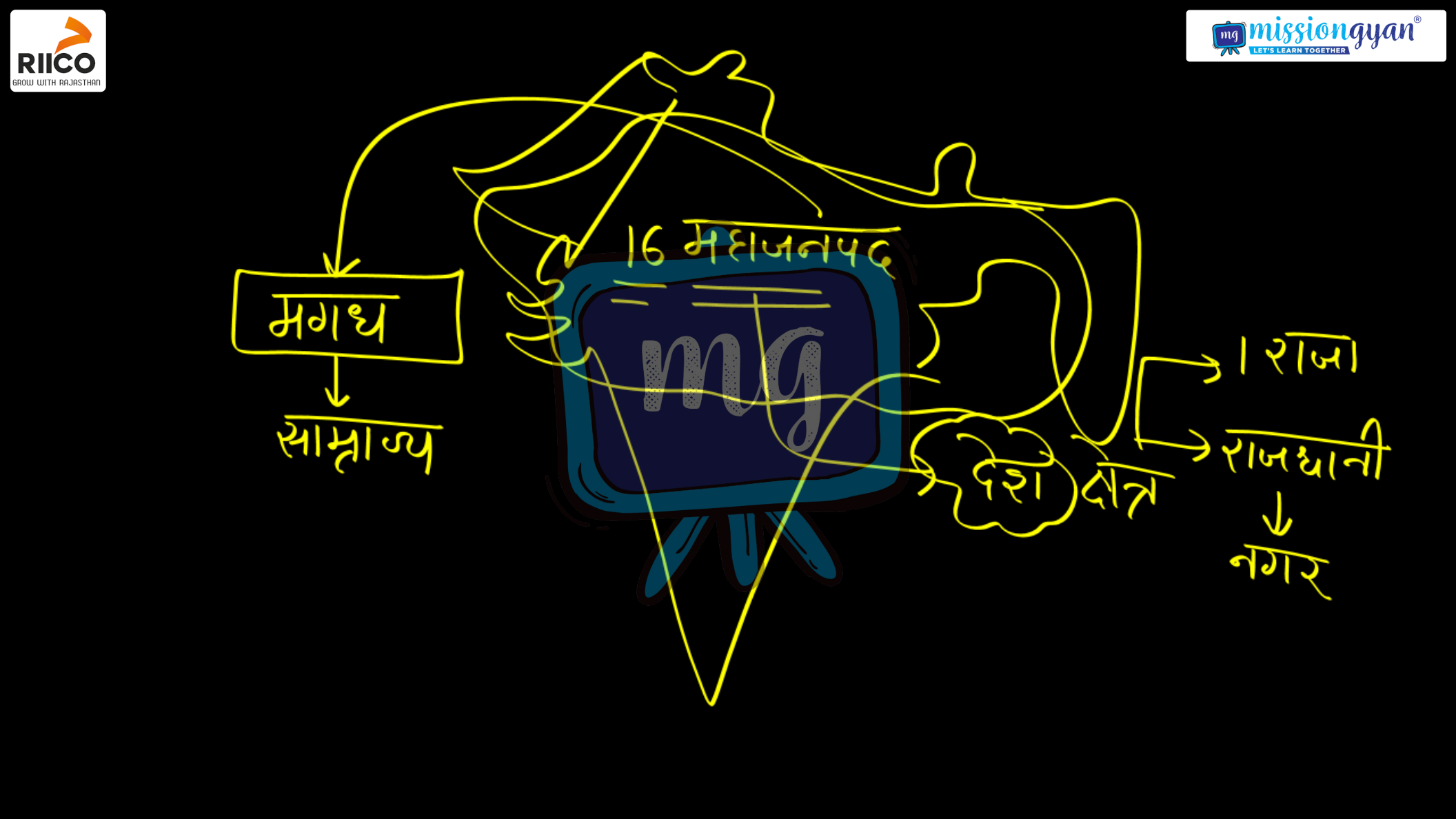
16 महाजनपद
मगध
साम्राज्य
देश
क्षेत्र
1 राजा
राजधानी
नगर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राज्य ⟶ विकास

↓

(संगठित) कृषि

↓

नगरों का उदय

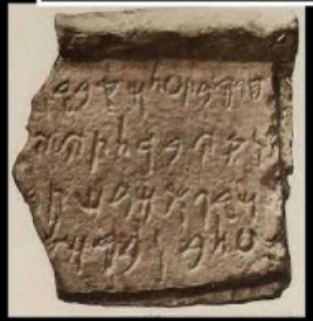



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तेदो

हड़प्पा सभ्यता के बाद 1500 वर्षों के लंबे अंतराल में उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में कई प्रकार के विकास हुए –

- सिंधु नदी और उसकी उपनदियों के किनारे रहने वाले लोगों द्वारा ऋग्वेद का लेखन किया गया।
- उत्तर भारत, दक्कन पठार क्षेत्र और कर्नाटक जैसे क्षेत्रों में कृषक बस्तियां अस्तित्व में आयी।
- दक्कन और दक्षिणी भारत में चरवाहा बस्तियां भी मिली हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इस दौरान (1000 ई. पूर्व से) मध्य तथा दक्षिण भारत में शवों के अंतिम संस्कार के नये तरीके भी सामने आये जिसमें महापाषाण नामक ख्यात पत्थरों के ढांचों में शवों का शवाधान होता था।
- शवों के साथ विभिन्न प्रकार के लोहे के बने उपकरण और हथियारों को दफनाया जाता था।

Q. ऋग्वेद का निर्माण कौनसे क्षेत्रों से माना जाता है?

Q. कृषक और घरवाड़ बस्तियों का आरंभ कहां से हुआ?

Q. महाप्राण किसे कहा जाता है?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

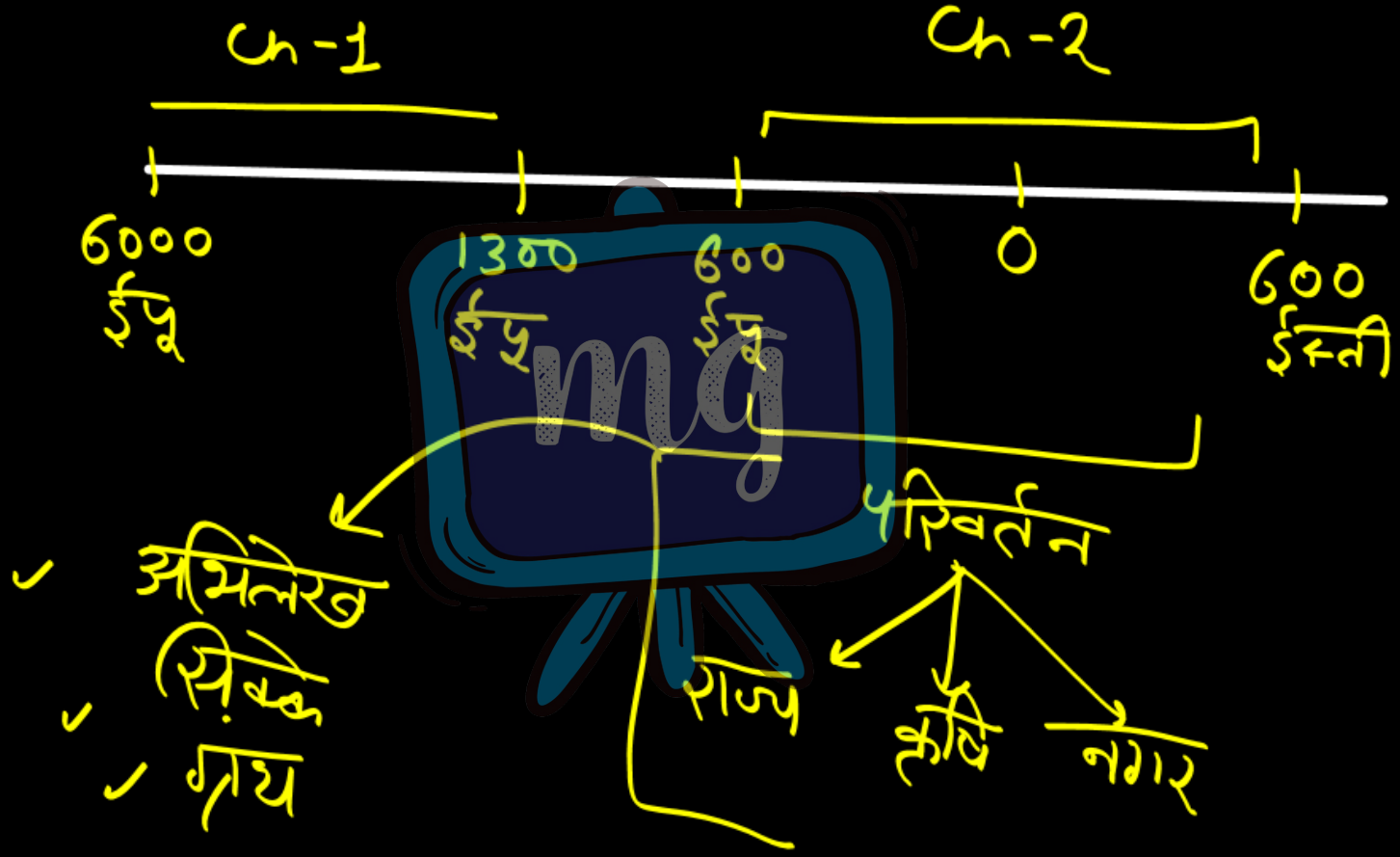

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

600 ई. पूर्व से आये नये परिवर्तन :

- आरम्भिक राज्यों, साम्राज्यों और रजवाड़ों का विकास हुआ।
- कृषि उपज का कार्य भी संगठित हुआ।
- पूरे उपमहाद्वीप में नये नगरों का उदय हुआ।
- इतिहासकार प्राचीन समय में होने वाले विकास का आंकलन अभिलेखों, सिक्कों तथा चित्रों जैसे स्त्रोतों के अध्ययन से करते हैं।
- लेकिन यह एक जटिल प्रक्रिया है तथा इसके पश्चात भी इन स्त्रोतों के द्वारा भी पूरी जानकारी नहीं मिल पाती है।

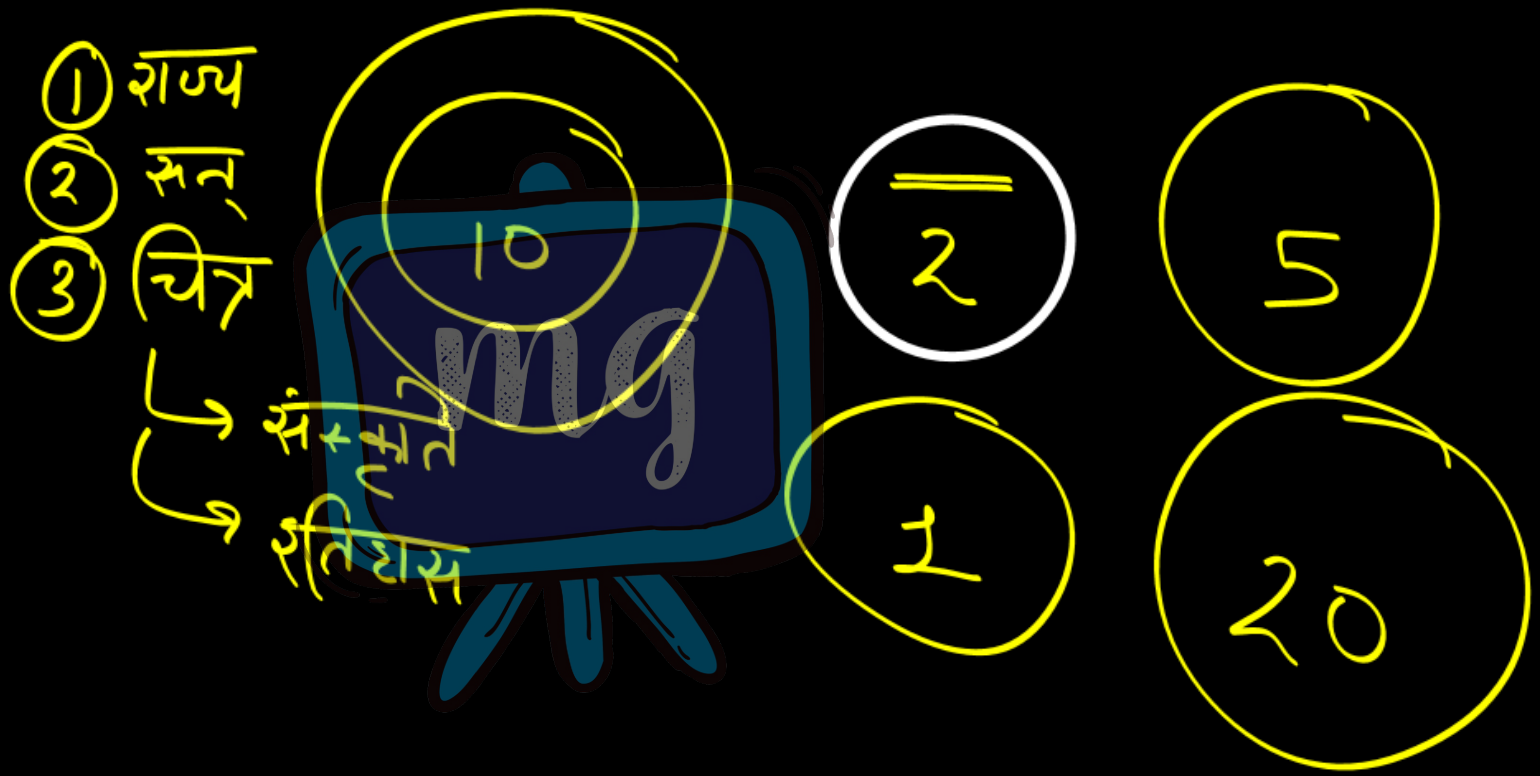
1 राज्य
2 सत्
3 चित्
संस्कृति
इतिहास
10
2
5
1
20

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभिलेख

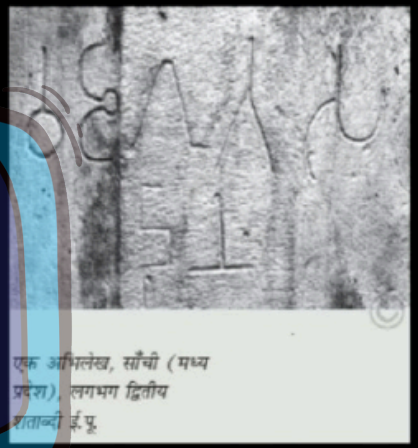

एक अभिलेख, साँची (मध्य प्रदेश), लगभग द्वितीय शताब्दी ई.पू.

- अभिलेख पत्थर, धातु या मिट्टी के बर्तन जैसे कठोर सतह पर खुदे होते हैं।
- इसमें बनवाने वाले लोगों की उपलब्धियां, क्रियाकलाप व विचार लिखे होते हैं।

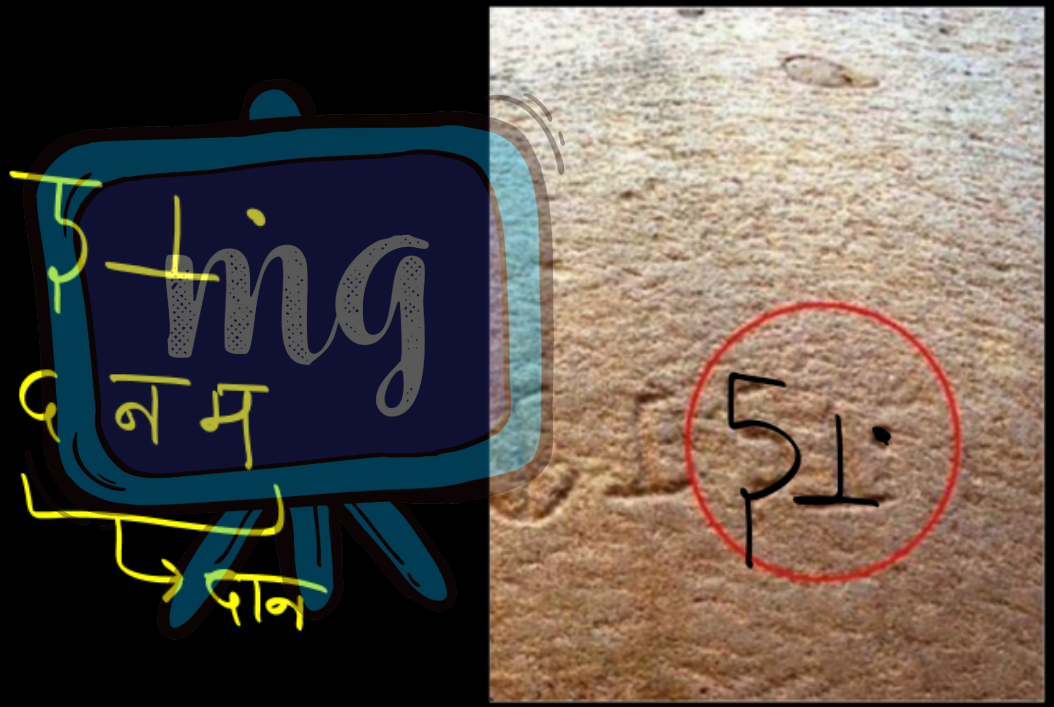
ing
51.

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इनमें राजाओं के क्रियाकालप तथा महिलाओं और पुरुषों द्वारा धार्मिक संस्थाओं को दिये गये दान का ब्यौरा होता है।
- अभिलेख एक प्रकार के स्थायी प्रमाण होते हैं।
- कई अभिलेखों में इनके निर्माण की तिथि भी खुदी होती है जिन पर तिथि नहीं मिलती है उनका काल निर्धारण पुरालिपि अथवा लेखन शैली के आधार पर काफी सही तरीके से किया जा सकता है।
- उदाहरण – 250 ई. पूर्व में अक्षर 'अ' को लिखते थे तथा 500 ई. पूर्व में 'अ' लिखते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- प्राचीनतम अभिलेख प्राकृत भाषाओं में लिखे जाते थे। प्राकृत भाषा जन सामान्य की भाषा थी।
- अजातसतु तथा असोक प्राकृत भाषा में लिखे नाम हैं।
- तमिल, पालि और संस्कृत भाषाओं के भी अभिलेख मिले हैं।

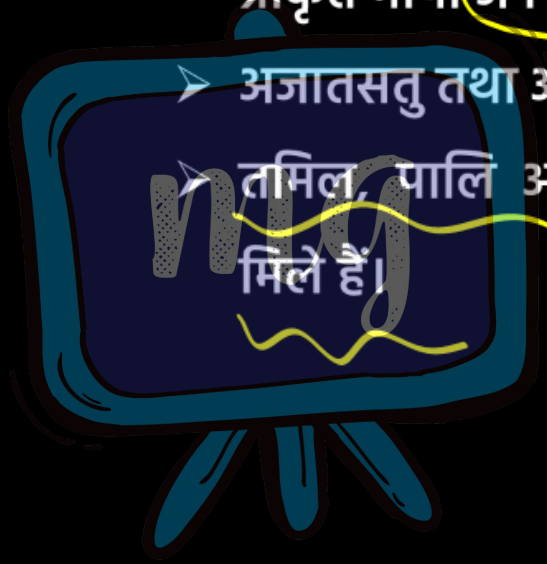

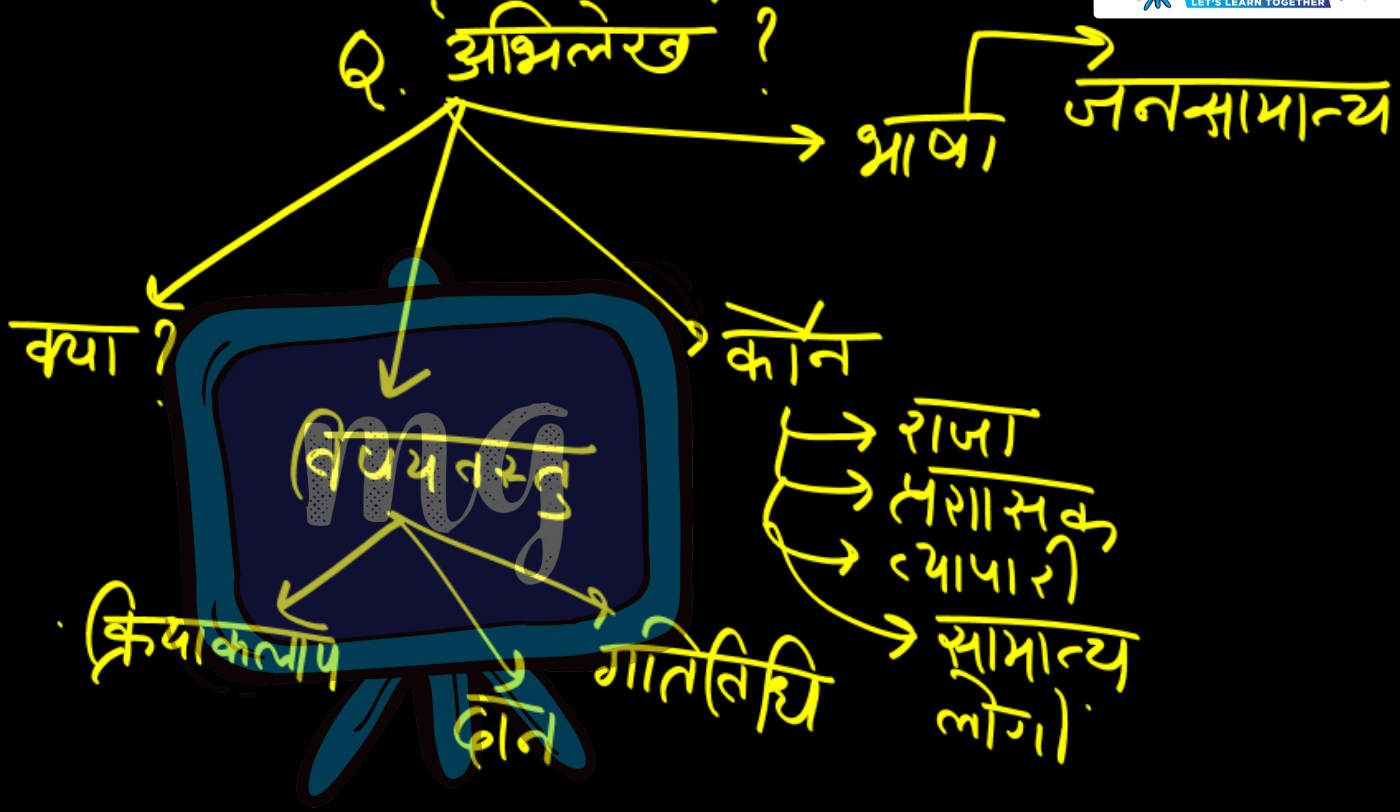
Q. 'अभिलेख' ?
भाषा
जनसामान्य
क्या ?
कौन
विषयवस्तु
राजा
प्रशासक
व्यापारी
सामान्य लोग।
क्रियाकलाप
कौन
गतितिथि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

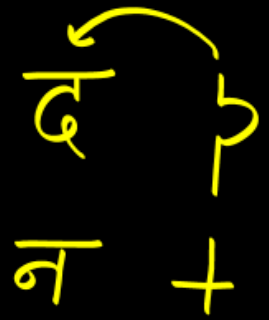

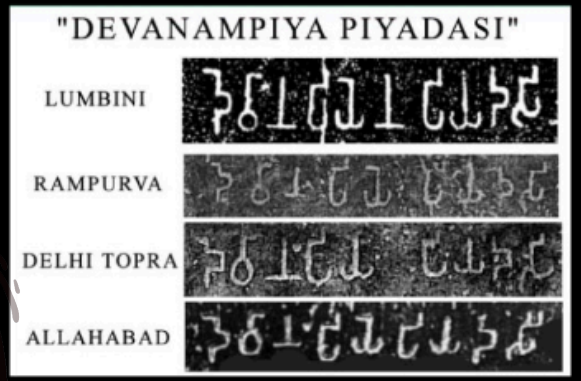

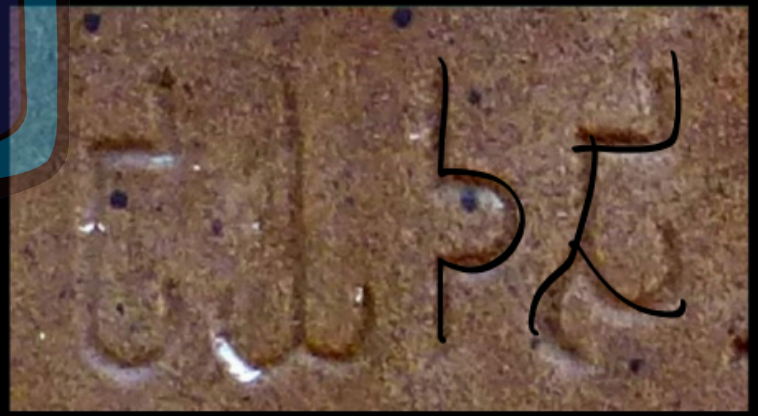

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

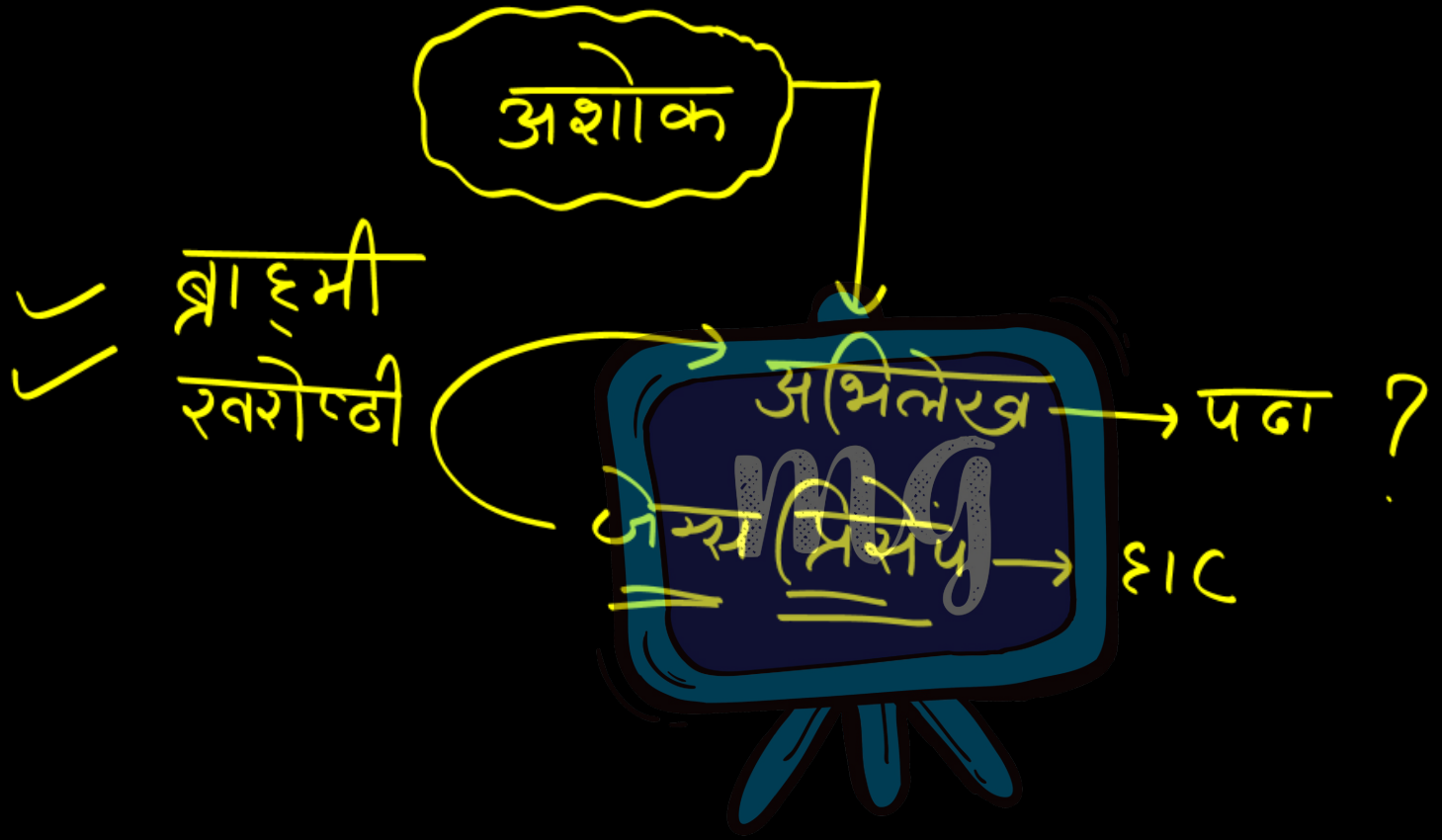

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1830

प्रिंसेप और पियदस्सी :

- भारतीय अभिलेख विज्ञान में उल्लेखनीय प्रगति 1830 के दशक में हुई। जब ईस्ट इंडिया कम्पनी के एक अधिकारी जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों का अर्थ निकाला।
- इन लिपियों का उपयोग सबसे आरम्भिक अभिलेखों और सिक्कों में किया गया है।
- प्रिंसेप ने पाया कि अधिकांश अभिलेखों एवं सिक्कों पर 'पियदस्सी' यानी मनोहर मुखाकृति वाले राजा का नाम लिखा है।
- कुछ और अभिलेखों में राजा का नाम 'असोक' भी लिखा है।

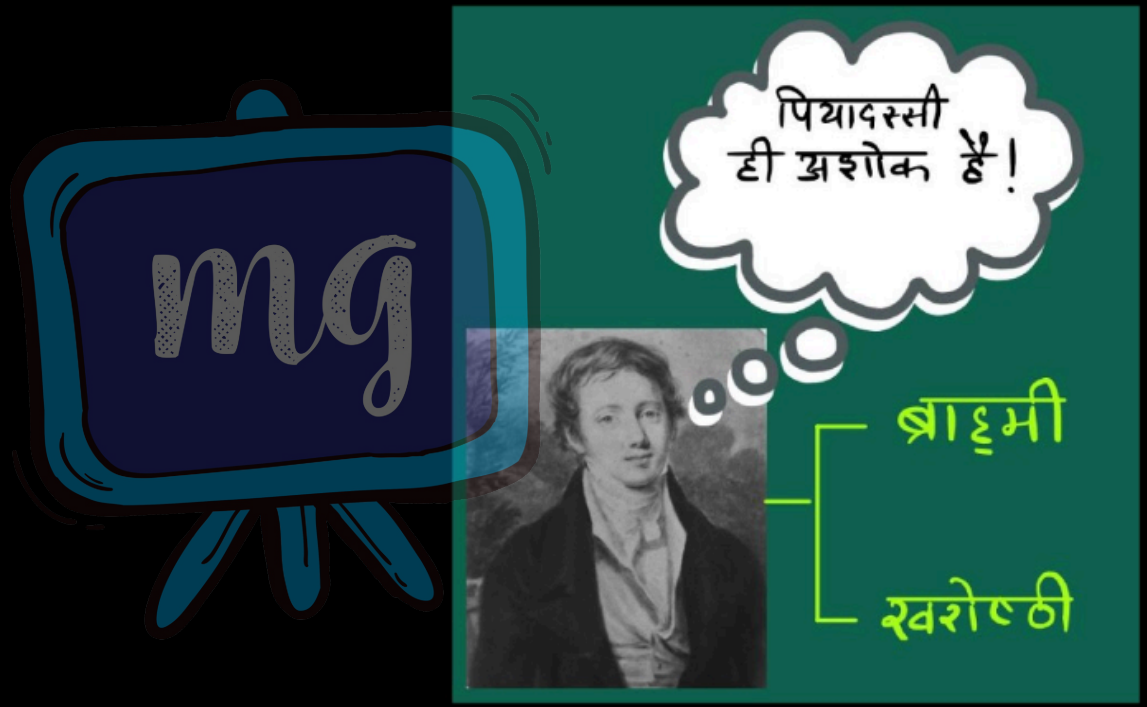
mg
पियादस्सी
टी अशोक हैं!
ब्राह्मी
खरोष्ठी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

CGM
↓
बिन्दुसार
↓
अशोक

- बौद्ध ग्रंथों के अनुसार भी असोक सर्वाधिक प्रसिद्ध शासकों में एक था।
- इस शोध के बाद भारतीय और यूरोपीय विद्धानों ने उपमहाद्वीप पर शासन करने वाले प्रमुख राजवंशों की वंशावलियों की पुर्नरचना की।
- जिसके लिए उन्होंने विभिन्न भाषाओं में लिखे अभिलेखों और ग्रंथों का उपयोग किया।
- इससे आरंभिक भारत के इतिहास के अध्ययन को नई दिशा मिली तथा उपमहाद्वीप के राजनीतिक इतिहास का एक सामान्य चित्र तैयार हो गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके बाद विद्वानों ने राजनीतिक परिवर्तनों के आर्थिक और **सामाजिक विकासों** के बीच संबंधों को खोजने की कोशिश की। फलस्वरूप पाया कि संबंध तो रहे परन्तु सीधे नहीं।



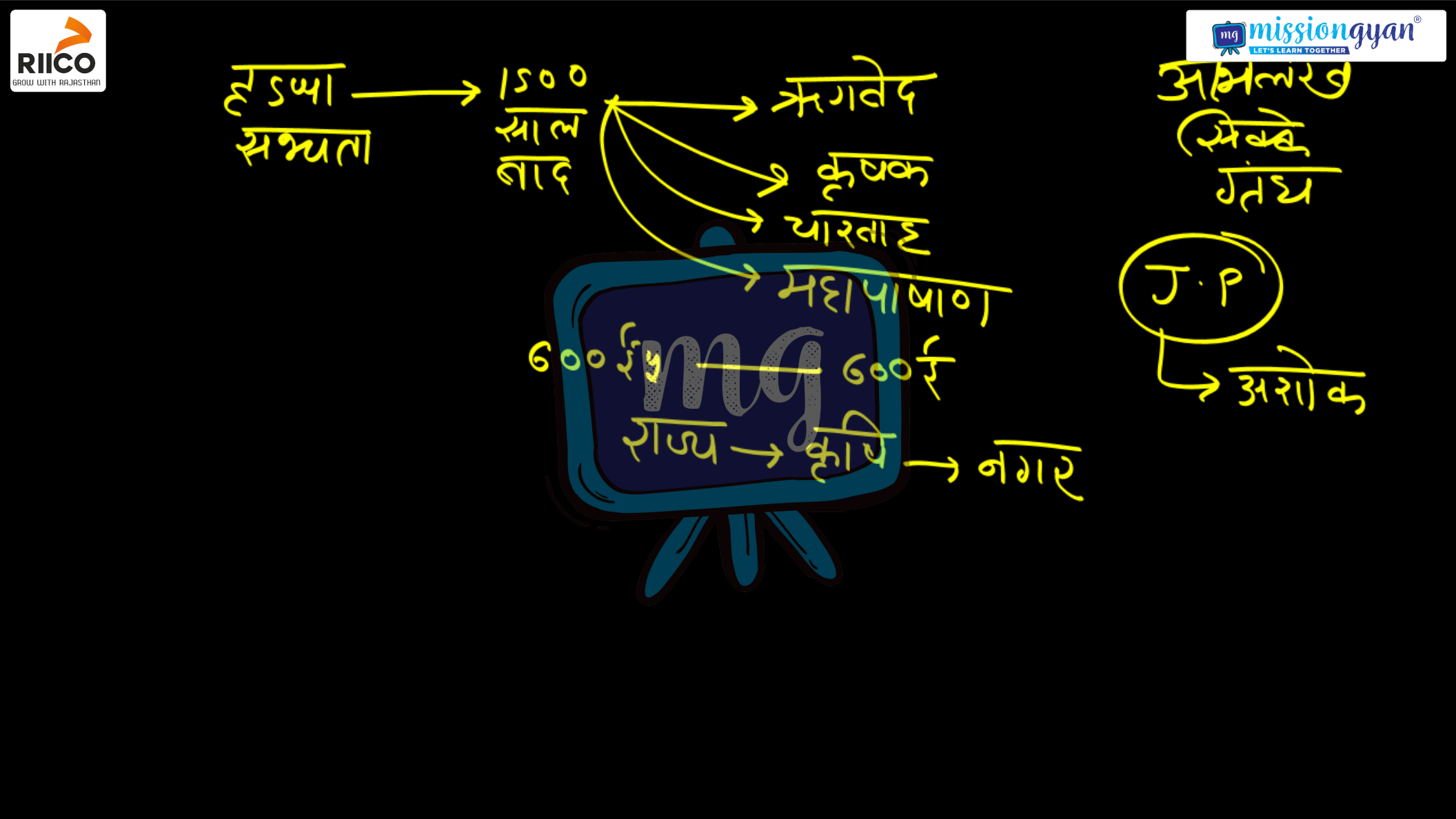

हड़प्पा सभ्यता → 1500 साल बाद → ऋगवेद, कृषक, चारवाह, महापाषाण

600 ई.पू. — 600 ई

राज्य → कृषि → नगर

अभिलेख सिक्के ग्रंथ

J.P → अशोक